(५)

2 नईदुनिया
इंदौर, मंगलवार 11 मई, 2021

ऑनलाइन भरने में काम नहीं कर रहा सर्वर

प्रस्ताव के डेढ़ माह बाद भी हाउस टैक्स पर निर्णय नहीं

पत्रिका

रतलाम. शहर के 66 हजार आवास मालिकों को डेढ़ माह से बढ़ा हुआ हाउस टैक्स भरने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को भी बड़ी संख्या में लोग नगर निगम गए, लेकिन बढ़ा हुआ कर के बारे में निर्णय नहीं होने से उनको वापस लौटना पड़ा। बड़ी समस्या ऑनलाइन टैक्स भरने में आ रही है, के मोबाइल एप के सर्वर की गति कम्म आने से कमजोर हो गई है।

बता दे कि शहर में आवास, दुकान आदि पर प्रतिवर्ष कर देना होता है। वर्ष 2021-2022 के कर के लिए नगर निगम ने इसकी राशि में कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लेकर प्रस्ताव बनाकर तत्कालीक प्रशासक गोपालचंद्र डाड के पास भेजा था। डाड कोरोना के चलते इस मामले में निर्णय ही नहीं ले पाए। प्रशासक चाहे तो कोरोना को देखते हुए बढ़ा हुआ कर के प्रस्ताव को खारिज करके लौटा सकते है। हालांकि इसकी संभावना कम है, लेकिन अब नए प्रशासक आ गए है, ऐसे में अब यह उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही इस मामले में निर्णय होगा।

शहर में हाउस टैक्स भरने के मामले में जल्दी निर्णय होगा। जहां तक सर्वर की गति कमजोर होने के बात है, इसको आईटी एक्सपर्ट को बता दिया गया है। जल्दी ही इसका भी समाधान हो जाएगा। **- सोमनाथ झारिया,** आयुक्त नगर निगम

न्यूज गैलरी

निगम व बिजली कंपनी में आफलाइन बिल जमा नहीं होंगे

रतलाम। नगर निगम तथा बिजली कंपनी के बिल आफलाइन जमा करने पर 17 मई तक रोक लगाई गई है। कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम द्वारा जारी आदेश में उल्लेख किया गया कि नगर निगम के जलकर तथा अन्य करों के भुगतान एवं विद्युत विभाग के बिल जमा करने वाले काउंटर पर भीड़ जमा रहती है। दोनों विभागों द्वारा कोरोना प्रोटोकाल के तहत नियमों का पालन नहीं करवाया जा रहा है। संक्रमण को रोकने के दृष्टिगत 17 मई प्रात: 6.00 बजे तक किसी भी प्रकार के आफलाइन बिल जमा किया जाना स्थगित किया गया है। संबंधित विभाग सुनिश्चित करेंगे कि उनके बिल काउंटर पर किसी रूप में भीड़ एकत्रित नहीं हो अन्यथा विभाग के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

28 हजार बिजली तो 34 हजार लोग जलकर लाइन में लगकर भरते है बिल

बिजली बिल व जलकर लाइन में लगकर भरने पर रोक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 11-5-21

रतलाम. शहर में लाइन में लगकर जलकर व बिजली बिल भरने पर लॉकडाउन की अवधि 17 मई तक रोक लगा दी गई है। यह इसलिए किया गया है, क्योंकि कोरोना के प्रोटोकॉल के अंतर्गत जो कदम भीड़ को रोकने व दूरी रखने के लिए इन दोनों विभाग को लेना थे, वो नहीं लिए गए। इसके बाद कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने आदेश जारी करके रोक लगा दी है। हालांकि उपभोक्ता ऑनलाइन बिल जमा कर पाएंगे। बिजली कंपनी का कहना है कि 17 मई तक जिन उपभोक्ताओं की ड्यू डेट बिल भरने की है, उन पर दंड नहीं लगे इसका प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। शहर में कुल 28 हजार बिजली उपभोक्ता व 34 हजार उपभोक्ता जलकर लाइन में लगकर भरते है।

विभाग	उपभोक्ता संख्या	ऑनलाइन बिल भरने वाले
नगर निगम जलकर	36 हजार	2 हजार
बिजली कंपनी शहर	83 हजार	55 हजार

असल में बिजली कंपनी ने शहर के सभी उपकार्यालय में बिजली बिल भरने पर कोरोना को देखते हुए रोक लगा दी। इसके बाद शहर में एक माह से उपभोक्ता पॉवर हाउस रोड पहुंचकर बिजली कंपनी के मुख्य कार्यालय में जाकर बिल भर रहे थे। यहां पर कहने को बिल भरने के लिए उपभोक्ताओं के लिए चार काउंटर है, लेकिन कंपनी के अधिकारी कर्मचारियों को कोरोना का खतरा बताकर एक ही काउंटर खोल रहे थे। इसके बाद यहां पर लंबी लंबी लाइन लग रही थी। इसी को देखते हुए कलेक्टर कुमार ने अब लाइन में लगकर बिल भरने पर रोक लगा दी है, उपभोक्ता ऑनलाइन बिल जमा कर पाएंगे।

जलकर भरने पर रोकइसी तरह शहर के 36 हजार उपभोक्ता अब नगर निगम का जलकर लाइन में लगकर नहीं भर पाएंगे। इसको भरने पर भी 17 मई तक रोक लगा दी गई है। बता दे कि 2020 में जब कोरोना आया था, तब निगम ने इसी तरह से रोक लगाई थी, लेकिन इस बार यह नहीं किया गया। कहने को यहां पर भी छह काउंटर है, लेकिन कोरोना को देखते हुए सुबह दो ही खुल रहे थे। इसके चलते भीड़ उमड़ रही थी। अब यहां पर भी रोक लगा दी गई है।

कार्रवाई होगी

बड़ी बात यह है कि 17 मई तक बिजली बिल व नगर निगम के जलकर भरने पर रोक के बाद जब 18 मई से इसकी शुरुआत होगी तब बिजली कंपनी व नगर निगम को यह व्यवस्था करना होगा की इनके काउंटर पर भीड़ नहीं हो, ऐसा होता पाया गया तो इनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

17 मई तक जिन उपभोक्ताओं की बिल भरने की अंतिम तारीख है, उनको बाद में बिल भरने पर दंड नहीं लगे, इसका प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। अंतिम निर्णय वरिष्ठ कार्यालय द्वारा लिया जाएगा। **- विनयप्रतापसिंह,** शहर कार्यपालन यंत्री, विद्युत कंपनी

5 पत्रिका 11-5-21

ऑफलाइन बिल जमा किया जाना स्थगित

रतलाम। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कुमार पुरुषोत्तम ने नगर निगम तथा विद्युत विभागों के बिल ऑफलाइन जमा किया जाना स्थगित कर दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम के जलकर तथा अन्य करों के भुगतान एवं विद्युत विभाग के बिल जमा करने वालों काउंटर पर भीड़ एकत्रित हो रही है परंतु दोनों विभागों द्वारा कोरोना प्रोटोकॉल के तहत नियमों का पालन नहीं करवाया जा रहा है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कोरोना संक्रमण को रोकने के दृष्टिगत आगामी 17 मई प्रात: 6.00 बजे तक किसी भी प्रकार के ऑफलाइन बिल जमा किया जाना स्थगित किया गया है। संबंधित विभाग सुनिश्चित करेंगे कि

शहर में आठ कोविड सहायता केंद्रों पर किल कोरोना समितियां गठित

11-5-21

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। किल कोरोना अभियान के तीसरे चरण के तहत नगर निगम सीमा क्षेत्र में आठ स्थानों पर कोविड सहायता केंद्रों की स्थापना कर केंद्रवार किल कोरोना समिति का गठन किया गया है। समिति कोविड सहायता केंद्र के संबंध में आवश्यक प्रचार-प्रसार, संभावित मरीजों को सहायता केंद्र तक लाने एवं कोविड सहायता केन्द्र के संचालन में सहयोग करेगी।

कोविड सहायता केंद्र वार्ड 33, 34, 35, 36 व 31 टीआइटी रोड डिस्पेंसरी के लिए विपिन पोरवाल, रवि जौहरी, संजय दलाल, रणजीतसिंह परिहार व संतोष कोलंबेकर, वार्ड 30, 31 व 32 जावरा रोड प्राथमिक स्कूल डी मार्ट रोड के लिए राकेश परमार, अश्विन जायसवाल, योगेश केथवास व नरेंद्र तिवारी, वार्ड 27, 28 व 29 दिलीप नगर डिस्पेंसरी के लिए रमेश पांचाल, निखिल पांचाल, वार्ड 20, 21, 22, 23, 24, 25, 44 व 45 मोती नगर प्राथमिक स्कूल केंद्र पर नन्दकिशोर, राकेश मीणा, राजेश रांका, सुरेंद्र भाटी, सुशील सिलावट व गजेन्द्र पड़ियार, वार्ड 26, 37, 38, 39, 40, 41, 42 व 43 हाकिम वाड़ा डिस्पेंसरी पर दिलीप गांधी, स्नेहिल उपाध्याय, हितेश कामरेड, असीम व्यास, चमन मारू व सुनील आलोदिया माली, वार्ड 15, 16, 17, 18, 19, 46, 47, 48 व 49 सुभाष नगर कम्युनिटी हाल के लिए मोहन वर्मा, अनिता कटारा, बंटी बोहरा, गौरव त्रिपाठी, गोवर्धन धावा व मनोहरसिंह गौड़, वार्ड 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 व 8 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गणेश नगर पर भगतसिंह भदौरिया, विवेक शर्मा, सोना शर्मा व सारिका दीक्षित व वार्ड 9, 10, 11, 12, 13 व 14 रेडक्रास भवन विरियाखेड़ी मेन रोड के लिए धर्मेंद्रसिंह देवड़ा, प्रकाश बंशीलाल, कमलेश जोशी, जयकिरण वर्मा व मुकेश सोनी की समिति का गठन किया गया है।

निगम और स्वास्थ्य विभाग के अमले को भी लगाया

कोविड सहायता केंद्रो पर नियुक्त नगर निगम अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने कार्यपालन यंत्री जीके जायसवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा मेडिकल आफिसर, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर, स्टाफ नर्स, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए नईम मोहम्मद खान प्रभारी एपीएम 9685330094 व लोकेश वैष्णव प्रभारी बीईई 7999606919 को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

ब्लड बैंक शिफ्ट होते ही लगेगी सीटी स्कैन मशीन

रतलाम। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक को नए भवन में शिफ्ट किया जा रहा है। जैसे ही यह भवन खाली होगा, सीटी स्कैन मशीन लग जाएगी। पिछले एक सप्ताह से शिफ्टिंग चल रही है और अभी दो-चार दिन और लग सकते हैं। इसके बाद सीटी स्कैन मशीन लगाने के लिए भवन तैयार किया जाएगा। सोमवार को भोपाल से इंजीनियर भी रतलाम आ गए और आवश्यक तैयारियों के लिए अस्पताल प्रबंधन से चर्चा की। मालूम हो कि दो साल से जिला अस्पताल के लिए सीटी स्कैन मशीन की स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन ठेकेदार की लेटलतीफी से अभी तक काम नहीं हो पाया। कोरोना के दौरान शासन स्तर से मशीन लगाने के कड़े निर्देश के बाद संबंधित एजेंसी एक्टिव हुई है। आरएमओ एवं ब्लड बैंक प्रभारी योगेश नीखरा ने बताया कि ब्लड बैंक शिफ्ट हो रहा है। मशीन लगाने के लिए संबंधित इंजीनियर आगे की प्रक्रिया करेंगे।

नईदुनिया

11-5-2021

पेनाल्टी ना चुकाना पड़े इसके लिए निगम व बिजली कंपनी के काउंटरों पर लगी भीड़

सतर्कता : कोरोना संक्रमण ना फैले इसलिए कलेक्टर ने तत्काल बंद करवाए काउंटर

ड्यू डेट के बाद बिल जमा कराने पर पेनाल्टी लगेगी या नहीं इसको लेकर अब तक कोई फैसला नहीं हुआ

भास्कर संवाददाता | रतलाम

11-5-2021

आखिरी तारीख पर बिल जमा कराने पर पेनाल्टी ना लगे इसके लिए सोमवार को नगर निगम और बिजली कंपनी के काउंटर पर उपभोक्ताओं की भीड़ लगी रही। हालत यह रही कि जलकर और बिजली का बिल जमा कराने के लिए उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी में आधे से एक घंटे का इंतजार करना पड़ा। लॉकडाउन के बावजूद ना तो बिजली कंपनी ने पेनाल्टी माफी की घोषणा की है और ना ही नगर निगम ने पेनाल्टी ना वसूलने का ऐलान किया।

इस कारण लोग भरी दुपहरी में काउंटरों पर दौड़-धूप कर रहे हैं। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को जब जानकारी मिली तो 17 मई सुबह 6 बजे तक हर तरह के ऑफलाइन बिल जमा करने पर रोक लगा दी।

आखिरी तारीख के बाद 25 फीसदी पेनाल्टी ना लगे इसलिए जलकर जमा कराने आए हैं

नगर निगम के जल काउंटर पर लगी लोगों की भीड़ देख कह सकते हैं कि यह कोरोना कर्फ्यू है ही नहीं।

लॉकडाउन व गर्मी के बीच लोग यहां सिर्फ इसलिए जुटे थे ताकि उन्हें 25 फीसदी पेनाल्टी ना चुकाना पड़े। हालत यह रही कि लोगों का आधे से एक घंटे में नंबर आया। बावजूद कोरोना संक्रमण की लहर के बीच लोग डटे रहे। जलकर जमा कराने आए टाटानगर निवासी अनिल सोलंकी ने बताया आज आखिरी तारीख है। यदि जलकर नहीं जमा कराया तो 25 फीसदी पेनाल्टी लगेगी। इससे आया हूं। एक घंटा हो गया है। अब तक नंबर नहीं आया है।

पालिसी शासन पर निर्भर : जलप्रदाय विभाग प्रभारी एसपी आचार्य ने बताया पेनाल्टी माफ करना या नहीं करना यह शासन की पॉलिसी है। आदेश आने पर उस हिसाब से निर्णय लेंगे।

1.5% पेनाल्टी ना चुकाना पड़े इसलिए लोग कोरोना संक्रमण भी भूले

आखिरी तारीख और पेनाल्टी देखते हुए पॉवर हाउस रोड स्थित बिजली बिल भुगतान काउंटर पर लॉकडाउन के बावजूद लोगों की भीड़ लगी रही। दोपहर में संक्रमण फैलने के बाद 50 लोग कतार में खड़े थे। लोग इसलिए खड़े थे ताकि उन्हें 1.5 फीसदी पेनाल्टी ना चुकाना पड़े। बिजली कंपनी को तो बस वसूली की चिंता थी। इसकी जानकारी कलेक्टर तक पहुंची तो कलेक्टर ने यह काउंटर भी 17 मई तक स्थगित रखने के आदेश जारी किए। इसके बाद बिजली कंपनी ने इसकी सूचना लगाई।

प्रस्ताव भेजेंगे : बिजली कंपनी के शहर कार्यपालन यंत्री विनय प्रतापसिंह ने बताया इमरजेंसी के लिए काउंटर खोल रखे थे। चूंकि 17 मई आखिरी तारीख है। इससे ड्यू डेट बढ़ाने का प्रस्ताव भेजेंगे।

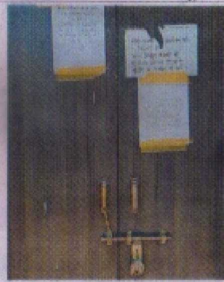

कलेक्टर के आदेश के बाद बिजली कंपनी ने लगाई काउंटर बंद रहने की सूचना।

11-5-2021

गाकर मरीजों का शुरू किया प्राथमिक उपचार

र इलाज : मेडिकल कॉलेज ो मिलने लगी 'प्राणवायु'

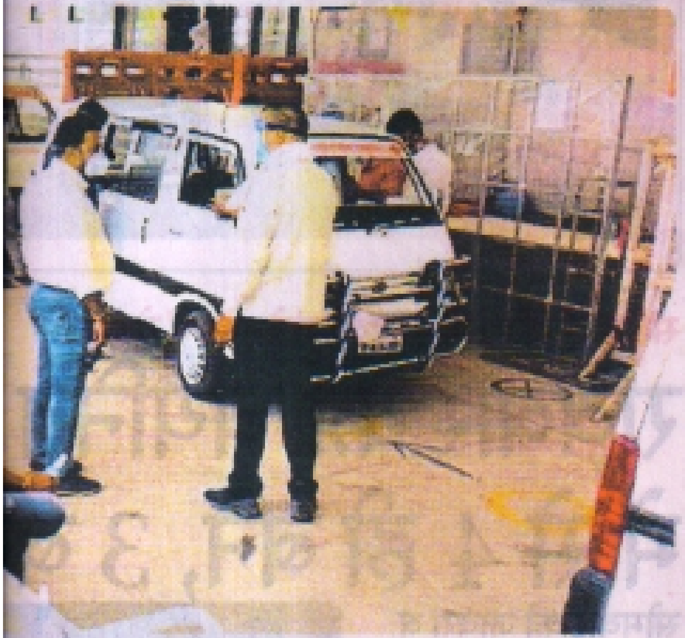

5 बेड लगाकर शुरुआत की

कलेक्टर के निर्देश पर अस्पताल प्रबंधन ने गेट नंबर 1 पर बाहर की ओर पांच पलंग लगाए हैं जिस पर उन मरीजों को लिया जा रहा है जिन्हें अस्पताल में जगह नहीं होने से प्रवेश नहीं मिल पा रहा। इन मरीजों को यहां आते ही चिकित्सक द्वारा उनकी जांच की जा रही है और प्राथमिक उपचार देने के साथ ही सिलेंडर लगाकर ऑक्सीजन दी जा रही है जिससे कि मरीज की सेहत में सुधार हो सके। अब से पहले तक मरीजों के डिस्चार्ज होने पर बेड खाली होने तक बाहर मरीजों को प्रवेश के लिए इंतजार करना पड़ता था जो खत्म हो गया है।

और भी बदलाव की है जरूरत

कलेक्टर के निर्देश पर उन्हें दिखाने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने शुरुआती दौर में बाहर तो व्यवस्था बेहतर कर दी है लेकिन अस्पताल के अंदर की व्यवस्थाओं में सुधार की अब भी दरकार है। हालांकि बीते कुछ दिनों से अस्पताल प्रबंधन ने अपने स्तर पर ही इसमें सुधार के प्रयास किए हैं लेकिन उसका बेहतर परिणाम सामने नहीं आ पाया है और अब भी हर दिन कई मरीजों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा है। जब तक अंदर की व्यवस्था में पूरी तरह से सुधार नहीं होता तब तक मरीजों की जान पर संकट बना रहेगा।

२१

कोरोना ने रोका काम : मंत्री-पीएस-कलेक्टर नहीं कर पाए लक्ष्य के हिसाब से काम

आत्मनिर्भर मप्र को झटका, लक्ष्य बेपटरी

पत्रिका
इंडेप्थ स्टोरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के मिशन को कोरोना के कहर से तगड़ा झटका लगा है। फरवरी में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए नए लक्ष्य तय कर काम शुरू किया गया था, लेकिन अप्रेल में कोरोना की दूसरी लहर ने मिशन को ठप कर दिया। इससे न तो मंत्री तय समय व लक्ष्य के हिसाब से काम कर सके और न पीएस व कलेक्टर। यहां तक कि हर हफ्ते होने वाली समीक्षा बैठक तक नहीं हो पाई। कोरोना के कहर को रोकने में पूरा शासन प्रशासन जुड़ गया। इसलिए आत्मनिर्भर मप्र के लक्ष्य फिलहाल पीछे छूट गए हैं।

स्वास्थ्य के अलावा सब ठप: सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर, सुशासन, शिक्षा व स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था व रोजगार सेक्टर बनाए थे। इन सेक्टर के लिए मंत्रियों के समूह भी बनाए गए थे। एक हाई लेवल कमेटी बनाकर विभागों के कामों को करने की व्यवस्था की गई थी। स्वास्थ्य के क्षेत्र को छोड़ बाकी किसी भी क्षेत्र में काम नहीं हो पा रहा है। कोरोना के कारण स्वास्थ्य के क्षेत्र में जरूर इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया गया है।

पूरी तिमाही गड़बड़ाई

कोरोना के कहर से पूरा अप्रेल प्रभावित हुआ है। अब मई में भी कोरोना का कहर थमा नहीं। जून तक फिलहाल कोरोना का कहर खत्म होता नहीं दिखता। ऐसे में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के मिशन की पूरी तिमाही गड़बड़ा गई है।

अभी डेढ़ महीने तक जो लक्ष्य पिछड़े हैं, उससे आगे भी डेढ़ महीने के सारे काम से बेपटरी हो गए हैं। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर के तो कोई काम नहीं हो पाए।

अतिरिक्त कर्ज की लिमिट पर असर

केंद्र ने मप्र को एक फीसदी की अतिरिक्त खर्च लिमिट दी है। इससे करीब 16 हजार करोड़ अतिरिक्त कर्ज लिया जा सकेगा। इस लिमिट के लिए चार मापदंड में बिजली इंफ्रा शामिल है, लेकिन कोरोना के कारण काम नहीं हो पा रहा। ऐसे ही हाल अन्य मापदंडों में है। इससे सशर्त मिलने वाला कर्ज भी दिक्कतों में आ सकता है। यदि कोरोना का कहर इसी तरह जारी रहा, तो मापदंडों में छूट की मांग करना मजबूरी बन जाएगा।

शुरुआती समीक्षा तक नहीं हो पाई

नवंबर 2020 में आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश का रोडमैप जारी कर दिया गया था। केंद्र सरकार के बजट के आधार पर बाद में इसी मिशन को फोकस में रखकर राज्य का बजट भी लाया गया। तब, फरवरी 2021 के अंत में नए वित्तीय सत्र के लिए लक्ष्य तय किए गए थे। इसके तहत मंत्रियों को हर हफ्ते आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की समीक्षा करनी थी। प्रमुख सचिवों और कलेक्टर को भी हर सोमवार आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश की बैठक करना थी। इन बैठकों में पूरे हफ्ते के काम की समीक्षा और अगले हफ्ते के काम की गाइडलाइन तय होना थी, लेकिन अप्रेल आते ही कोरोना का कहर ऐसा बरपा कि यह सब पीछे छोड़ना पड़ा। अब सरकार की पहली प्राथमिकता संक्रमण को रोकना है। ऐसे में आत्मनिर्भर मप्र पर नए सिरे से लक्ष्य तय कर काम होगा।

पत्रिका
11-5-2021

महामारी में पानी की चिंता • सोमवार को नगर निगम के जलप्रदाय अमले ने दो मड पंप चलाकर टेस्टिंग भी कर ली

धोलावड़ डेम में उतारे दो मड पंप क्योंकि जैकवेल के पाइप से नीचे उतरा पानी, इस हफ्ते होंगे चालू

भास्कर संवाददाता | रतलाम

11-5-21

धोलावड़ डेम में नगर निगम ने दो मड पंप उतार दिए हैं। सोमवार को इनकी टेस्टिंग भी कर ली गई है। यह नौबत इसलिए आई है क्योंकि नए इंटकवेल से फरवरी में ही नीचे उतर चुका डेम का पानी अब कभी भी इससे 500 मीटर आगे बने जैकवेल से भी दूर जा सकता है। ऐसे में ऐनवक्त पर भागादौड़ी न करना पड़े इसलिए जलप्रदाय अमले ने रविवार को ही मड पंप जैकवेल के आगे पानी में डाल दिए हैं। दो-तीन दिन में इन्हें चालू करना पड़ सकता है।

वर्तमान में 33-34 एमएलडी पानी की जरूरत है, इसके मुकाबले नई व पुरानी दोनों लाइनों को मिलाकर 32 से 33 एमएलडी पानी मिल रहा है। नगर निगम के 750 ट्यूबवेल से कमी की भरपाई हो रही थी परंतु जलस्तर नीचे गिरने व अन्य कारणों से 40 से ज्यादा हैंडपंप व ट्यूबवेल बंद हो चुके हैं।

1.2 मीटर मासिक की औसत से घट रहा जलस्तर

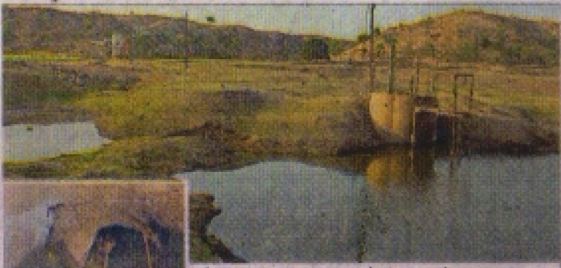

जैकवेल से नीचे चला गया है धोलावड़ डैम का पानी। इनसेट-जैकवेल के तले में लगे पाइप तक अब आधा ही पानी रह गया है। फोटो-हिम्मत लखेरा, रतलाम

राहत वाली बात यह है कि धोलावड़ डैम में अभी 385.05 मीटर पानी भरा है। डेड स्टॉरेज 380 मीटर का है, यानी अभी 5 मीटर पानी इस्तेमाल लायक बचा है। जल संसाधन विभाग के अनुसार इतना पानी तीन से चार माह चल जाएगा। चिंता तेजी से घटते जल स्तर की है। सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ना फरवरी अंत में ही बंद कर दिया गया था। बावजूद इसके दो माह से डेम का जलस्तर 1.2 मीटर की औसत से घट रहा है। तापमान बढ़ने से इसकी रफ्तार और बढ़ेगी क्योंकि पानी का वाष्पीकरण तेज होगा।

जलस्तर की मौजूदा स्थिति

- 395 मीटर क्षमता
- 394.65 मीटर सितंबर 2020
- 385.05 मीटर 10 मई 2021
- 9.95 मीटर 8 माह में जलस्तर घटा
- 380 मीटर डेड स्टोरेज

सप्लाई की स्थिति

- अभी जरूरत - 33 से 34 एमएलडी
- अभी मिल रहा - 32 से 33 एमएलडी
- हैंडपंप व ट्यूबवेल - करीब 750
- हैंडपंप व ट्यूबवेल से पानी मिल रहा - 0.5 से 1 एमएलडी
- कमी - 1 से 2 एमएलडी
- मई अंत व जून की आवश्यकता करीब 35 एमएलडी

ज्वाइंट तो ठीक हो गया लेकिन पटरी शाम को ही बंट रहा पानी

दो दिन पहले गोशाला चौराहे पर लीकेज हुए ज्वाइंट को जलप्रदाय अमले ने दुरुस्त कर दिया है। इसके बाद नई पाइप लाइन से सप्लाई भी शुरू कर दी है जिससे खटीक मोहल्ले, राजेंद्र नगर, हरिजन बस्ती तक भरपूर पानी पहुंचने लगा है। दिक्कत पटरी पार इलाकों में है जहां दस दिन से सुबह 6 से 10 बजे की बजाय शाम 4 से 8 बजे के बीच सप्लाई जा रही है। शेड्यूल में लाने के लिए ब्रेक लेना पड़ेगा। हालांकि लोगों की परेशानी देख ऐसा नहीं कर रहे। स्थिति सामान्य होने के बाद ब्रेक लेकर सप्लाई शेड्यूल में लाई जाएगी।

जैकवेल के तले में डला पाइप भी दिखाई देने लगा था। शहर की पानी सप्लाई में दिक्कत न हो इसलिए रविवार को मड पंप जैकवेल के आगे पानी में उतार दिए थे। सोमवार को टेस्टिंग भी कर ली है। अब जब भी जरूरत होगी, पंप चालू कर देंगे। **सत्यप्रकाश आचार्य**, इंजीनियर जलप्रदाय

11-5-2021

(6)

होम आइसोलेट 83 मरीज़ों को किया मेडिसिन किट का वितरण

रतलाम। कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया द्वारा वार्डवार गठित दलों द्वारा मरीजों के घर जाकर मेडिकल किट प्रदान की। ई-दक्ष केन्द्र रतलाम से 10 मई सोमवार को होम आईसोलेशन के मरीजों की सूची स्वास्थ्य अधिकारी श्री ए.पी. सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 97 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई व कन्ट्रोल रूम से 7 मेडिसिन किट। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलों वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजों के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया जिसके तहत सूची अनुसार 83 मरीजों को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया।

11-5-21

83 मरीजों को मेडिसिन किट का वितरण

रतलाम. कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजों के घर जाकर मेडिकल किट प्रदान की गई हैं। सोमवार को 83 मरीज व 167 परिजन को किट दी गई है।

सोमवार को होम आईसोलेशन के मरीजों की सूची स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 97 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई व कन्ट्रोल रूम से 7 मेडिसिन किट। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्डवार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजों के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया। जिसके तहत सूची अनुसार 83 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 10 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 2 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत पाये गये तथा 2 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया व 6 मरीजो को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया। 167 किट मरीज के परिजनों को प्रदान की गई।

11-5-21

104 मरीजों को किट का वितरण

रतलाम ● कोविड-19 संक्रमण में होम आइसोलेशन के मरीजों को मेडिसीन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किए जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजों के घर

दिया में हो 3583 नए मामले आए हैं और 45 मौत हो चुकी है। सोमवार को 350 नए मरीज मिले। पांच की मौत हुई, जबकि 78 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। जिले में कुल मरीजों की संख्या 14392 व स्वस्थ होने वालों की संख्या 10532 है। अब तक 239 मरीजों की मौत हो चुकी है। एक्टिव मरीजों की संख्या 3621 है। जिले की मृत्यु दर अभी भी 1.70 प्रतिशत है। अप्रैल की शुरुआत में प्रतिदिन चार मरीज की मौत हो रही थी जो अंत तक पांच हो गई और अब मई माह में यही स्थिति बनी हुई है।

पाजिटिव मरीज के सभी स्वजन को दवा मिलेगी

सोमवार शाम कलेक्टर ने वीसी के माध्यम से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस घर में कोरोना मरीज पाया जाता है, उसके पूरे परिवार को मेडिसिन किट के माध्यम से दवाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि परिवार के अन्य व्यक्ति स्वस्थ रहें गंभीर बीमार नहीं हों। रेपिड रिस्पांस टीम उसके घर जाकर अन्य स्वजनों की भी सैंपलिंग करेगी और सभी संदिग्ध कोरोना मरीजों को मेडिसिन किट उपलब्ध कराई जाएगी।

मेडिकल कालेज के आक्सीजन सिलिंडर रूम में सैनिटाइजेशन करते हुए निगमकर्मी। • नईदुनिया

दुकान खुली मिली तो होगी कार्रवाई

वीसी में कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बीमारी के प्रसार पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पांच से ज्यादा मरीज पाए जाते हैं तो पूरे गांव को कंटेनमेंट बनाया जाएगा। सर्वेक्षण दलों द्वारा पूरी गंभीरता के साथ सर्वेक्षण किया जाकर मरीज चिन्हित किए जाएंगे। कोरोना कर्फ्यू में यदि कोई दुकान खुली पाई जाती है तो दुकानदार को दंडित किया जाएगा। नागरिकों को फल उपलब्धता के लिए सिस्टम बनाया जाएगा कलेक्टर ने जनपद तथा ग्राम स्तरों पर क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियां बनाने के निर्देश दिए, जिनमें शासकीय शासकीय व्यक्ति सम्मिलित रहेंगे।

92 बेड खाली

शासकीय मेडिकल कालेज में सोमवार को 68 नए मरीज भर्ती हुए। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आइसीयू बेड 56, एचडीयू में 172 बेड, आक्सीजन बेड 120 सभी फुल है। नान आक्सीजन बेड 202 में से 110 पर पेशेंट भर्ती है। कुल 458 पेशेंट हास्पिटल में भर्ती है इनमें 309 पाजिटिव तथा शेष सस्पेक्टेड या ऑक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल में रिक्त बेड 92 है। रेमडेसिविर की स्थिति अनुसार आज तक टोटल रिसीव्ड 5032, डिस्ट्रीब्यूटेड 1101, कन्ज्यूम्ड 3921, करंट स्टाक 296 है। उन्होंने बताया कि मरीजों व उनके स्वजनों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में निरंतर वृद्धि की जा रही है।

83 मरीजों को किट दी

ई-दक्ष केंद्र से सोमवार को होम आइसोलेशन के मरीजों की सूची स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 97 मेडिसिन किट लेकर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलों को वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलों द्वारा होम आइसोलेशन के मरीजों के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया। सूची अनुसार 83 मरीजों को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 10 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाए गए। दो मरीजों के कांटेक्ट नंबर व पते गलत पाए गए। दो मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाए गए। छह मरीजों को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया।

रोज सैनिटाइजेशन

नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लारी व ट्रैक्टर के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को सैनिटाइज किया जा रहा है। सोमवार को मेडिकल कालेज, अमृत सागर कालोनी, जाटों का वास, गीता मंदिर से होते हुए सुभाष उपाध्याय वकील साहब, महेंद्र कटारिया के घर से होते हुए तख्तमल पोहावाले की गली, गीता मंदिर के पीछे रंगोली हाल के आसपास वाली गलियां व डा. निर्मल जैन वाली गली सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सैनिटाइजेश किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैंड मशीन के माध्यम से मेडिकल कालेज, माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों आदि में सैनिटाइजेशन का कार्य किया गया।

गर्ह उमिया 11-5-21

– सुरेंद्रसिंह जादव, जनरल गुड्स, प्रीतमनगर

डा. प्रियंक चेलावत

मास्क के प्रति निश्चित रूप से लोगों में जागरूकता बढ़ी है। घर से बाहर आने-जाने वाले आवश्यक रूप से मास्क पहनकर रखें। शारीरिक दूरी का ध्यान रखना भी जरूरी है। कोरोना से बचाव के लिए नंबर आने पर टीका जरूर लगवाएं।

– डा. प्रियंक चेलावत, पेट रोग विशेषज्ञ

अमन सिसौदिया

कोरोना को हराने के लिए सभी को शासन-प्रशासन की गाइड-लाइन का पालन करना जरूरी है। वर्तमान में कोरोना की दूसरी लहर घातक बनी हुई है। हर आयु वर्ग के लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। स्वयं के साथ दूसरों की सुरक्षा भी जरूरी है।

– अमन सिसौदिया, युवा समाजसेवी

बजाजखाना जावरा

जयश्री मोदी

यदि आप चाहते हैं कि आक्सीजन लेवल 95 रहे, साथ में फेफड़े मजबूत और आक्सीजन युक्त रहे तो नियमित रूप से योग प्राणायाम करें। अच्छा पौष्टिक आहार लें। कोरोना का टीका लगवाएं। मुंह पर मास्क लगाएं।

– जयश्री मोदी, छात्रा, साईधाम कालोनी जावरा

महेश मोदी

दो गज की दूरी के साथ मास्क भी जरूरी है। इसी सिद्धांत पर चलकर हम सबको मिलकर कोरोना को हराना है घर से बाहर निकलते समय मास्क अवश्य लगाएं। दो गज की दूरी बनाए रखें। सैनिटाइजर का उपयोग करते रहें। टीकाकरण अवश्य करवाएं।

– महेश मोदी, संचालक, मोदी टी स्टाल ढोढर

निगम परिसर से स्थानांतरित की जाएगी वर्कशाप

नगर निगम परिसर में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए आयुक्त सोमनाथ झारिया। • नईदुनिया

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने सोमवार को नगर निगम कार्यालय पहुंचकर प्रशासक का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया व उपायुक्त विकास सोलंकी ने पुष्पगुच्छ से उनका स्वागत किया।

कलेक्टर ने निगम कार्यालय व परिसर का निरीक्षण करने के बाद शहर में सफाई कार्य पर विशेष ध्यान देने, वर्कशाप को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने नगर निगम की आय-व्यय की जानकारी ली। इस दौरान सहायक आयुक्त ज्योति सुनारिया, कार्यपालन यंत्री जीके जायसवाल, सहायक यंत्री श्याम सोनी, निगम सचिव जसवंत जोशी, जलप्रदाय विभाग प्रभारी सत्यप्रकाश आचार्य, स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह, निजी सहायक सुभाष गोयल आदि उपस्थित थे।

रतलाम में 50 कंटेनमेंट बनेंगे, सोमवार को पांच बने

5 से ज्यादा मरीज तो पूरा गांव होगा सील

कलेक्टर का कोरोना से जंग का मिशन मोड शुरू

भास्कर संवाददाता | रतलाम

वायरस को रोकने के लिए नए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के मिशन मोड का असर सोमवार से ही दिखना शुरू हो गया है। पहले ही दिन माइक्रो कंटेनमेंट के लिए शहर के 50 स्थानों का चयन कर शाम तक 5 इलाकों में कंटेनमेंट एरिया बना दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र में कंटेनमेंट एरिया बनाने की शर्त और भी कठिन है। अब यदि किसी भी गांव में पांच से ज्यादा पॉजिटिव मिले तो पूरे गांव को कंटेनमेंट क्षेत्र बना दिया जाएगा। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने अधिकारियों को इसमें किसी कोताही नहीं बरतने की हिदायत दी है। इसके पहले सुबह कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने निजी अस्पतालों के डॉक्टरों की क्लास ली।

शेष | पेज 7 पर

विनोबा नगर में कंटेनमेंट जोन बनाती प्रशासनिक टीम।

कोई भी पॉजिटिव आए सभी घर वालों को दवाएं दें

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने सोमवार शाम वीसी के माध्यम से निर्देश दिए कि जिस घर में पॉजिटिव पाया जाए। उस घर के सभी सदस्यों को मेडिसिन किट के माध्यम से दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे परिवार के दूसरे लोग गंभीर बीमार नहीं होंगे। रैपिड रिस्पांस टीम घर जाकर अन्य परिजन की सैंपलिंग भी करें।

नगर निगम ने शहर के साथ कार्यालय को भी किया सैनेटाइज

रतलाम @ पत्रिका. शहर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटराईज किया जा रहा है। इसके साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है। शहर के साथ साथ विभिन्न कार्यालय को भी सैनिटाईज किया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व ट्रैक्टर ट्रॉली से शहर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटराईज किया जा रहा है। सोमवार को फायर लॉरी व ट्रैक्टर ट्रॉली से मेडिकल कालेज, अमृत सागर कालोनी, जाटो का वास, गीता मंदिर से होते हुए सुभाष उपाध्याय वकील साहब, महेन्द्र कटारिया के घर से होते हुए तखतमल पोहे वाले की गली, गीता मंदिर के पीछे रंगोली हॉल के आसपास वाली गलियां व डॉ0 निर्मल जैन वाली गली सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयो आदि में सैनेटराईजेशन का कार्य किया गया। पत्रिका 11-5-21

पत्रिका

11-5-2021

11

नई व्यवस्था : निर्धारित फल विक्रेता और उनके टेलीफोन नंबर भी जारी किए

शहर में की जाएगी फलों की होम डिलीवरी

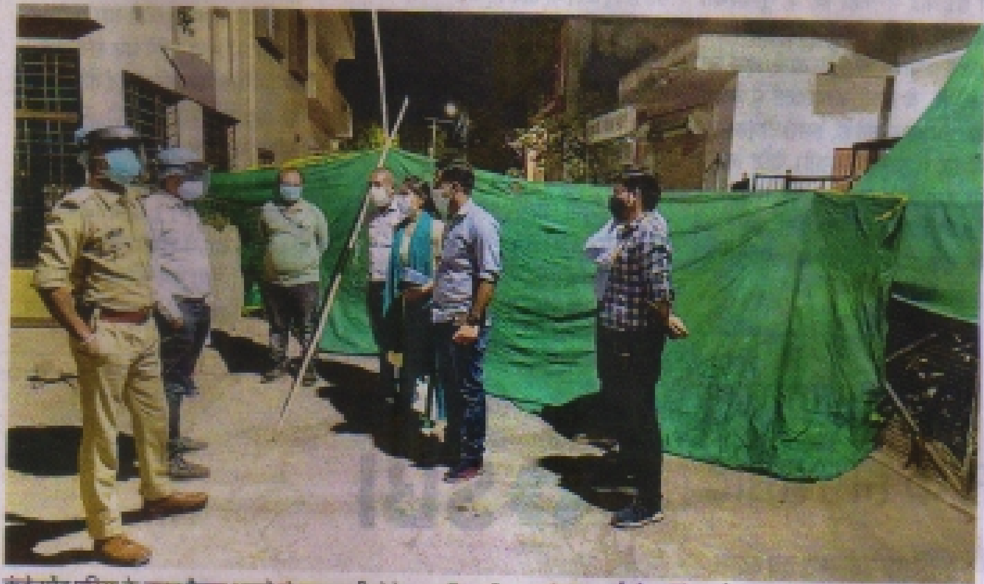

कंटेनमेंट एरिया के बाहर तैनात अमले से जानकारी लेते हुए अधिकारी। • नईदुनिया 11-5-21

रतलाम। सब्जी व फल मंडियां बंद होने से अब नई व्यवस्था बनाई जा रही है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर शहर में फलों की होम डिलीवरी की व्यवस्था कर निर्धारित फल विक्रेता व उनके टेलीफोन नंबर भी जारी किए गए हैं। सुबह नौ से शाम छह बजे तक इनके माध्यम से फलों की होम डिलीवरी की जा सकेगी। एसडीएम शहर अभिषेक गेहलोत ने बताया कि फलों की आवश्यकता पर आमजन फल विक्रेताओं के मोबाइल नंबर पर काल कर होम डिलीवरी करवा सकते हैं। फल विक्रेताओं में अज़ार हुसैन 8770463982, अकबर हुसैन 9893019583, असलम मोहम्मद 7773092237, सरफराज 7000640199, निजाम भाई 9329489955, शमशुद्दीन 9755263940, राजा भाई 7999171221 से संपर्क किया जा सकता है।

शहर में बनाए पांच माइक्रो कंटेनमेंट, 50 स्थान चिन्हित

शहर में अधिक संक्रमित वाले क्षेत्रों में माइक्रो कंटेनमेंट बनाए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत सोमवार से की गई। एसडीएम अभिषेक गेहलोत ने बताया कि रतलाम शहर में 50 स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां मंगलवार तक माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्र का निर्माण कर दिया जाएगा। सोमवार को गणेश नगर (नया गांव) में चार संक्रमित पाए जाने पर 12 घरों का कंटेनमेंट, गणेश नगर (इंदिरा नगर) में दो संक्रमित पाए जाने पर छह घरों का, ओल्ड ग्लोबल सिटी में दो संक्रमित पर 18 घरों का, इंद्रलोक नगर (विष्णु पुरी) में चार संक्रमित पर 34 घरों का तथा इंद्रलोक नगर में दो मरीज मिलने पर आठ घरों का कंटेनमेंट क्षेत्र बनाया गया है।

नईदुनिया 11-5-2021

350 पॉजिटिव, 5 की मौत, पिपलौदा में 55 संक्रमित

भास्कर संवाददाता | रतलाम

11-5-21

जिले में कोरोना संक्रमण बेकाबू हो चुका है। सोमवार को 350 पॉजिटिव सामने आए हैं। इसी के साथ अब कुल संक्रमित 14402 हो गए हैं। 5 लोगों की कोरोना से मौत भी हो गई।

सोमवार को पिपलौदा तहसील में 55 संक्रमित मिले। इधर, सैलाना में 29, बाजना में 8 व बिरमावल में 9 पॉजिटिव केस सामने आए है। सोमवार को 78 मरीजों का डिस्चार्ज किया गया, इसी के साथ एक्टिव केस की संख्या 3631 हो गई है।

जान गंवाने वाले चार की उम्र 60 साल से कम

जिले में सोमवार को 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 4 मृतक की उम्र 60 साल से भी कम है। पलसोड़ा के 55 साल के पुरुष, सेमलिया के 43 साल के पुरुष, नामली के 55 साल के पुरुष, सुभाष नगर की 65 साल की महिला, आनंद कॉलोनी के 56 साल के पुरुष ने कोरोना से दम तोड़ा। जिले में अब तक 239 लोग कोरोना से दम तोड़ चुके हैं।

दै. भास्कर 11-5-2021

नए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर अस्पताल के गेट पर पलंग ल

उम्मीद न टूटे इसलिए गेट प
के द्वार पर तड़पते मरीजों क

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com
11-8-21

रतलाम. मेडिकल कॉलेज के गेट पर मरीजों का दम न टूटे उसके लिए सोमवार से यहां की व्यवस्था में बदलाव हुआ है। जगह की कमी का हवाला देकर पहले अस्पताल के गेट के बाहर ही मरीजों को घण्टों उपचार के लिए इंतजार करना पड़ रहा था। उन मरीजों के लिए नवागत कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर अब बाहर ही पलंग लग गए हैं और प्राथमिक उपचार की शुरुआत की है।

नवागत कलेक्टर द्वारा जो व्यवस्था की गई है यदि ऐसी ही व्यवस्था प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन पूर्व में ही कर देता तो गेट पर तड़प कर उपचार के अभाव में मरीजों की जान नहीं जाती। पूर्व से अस्पताल परिसर में मौजूद मरीज के परिजनों ने जब यह बदलाव देखा तो उन्होंने काफी संतोष जाहिर किया। वह इसलिए क्योंकि जब वह अपने लोगों को यहां भर्ती कराने आए थे तो उन्हें भी प्राथमिक उपचार तक नहीं दिया जा रहा था पुर घंटों गेट पर इंतजार करना पड़ा था लेकिन नवागत कलेक्टर की इस व्यवस्था को लेकर हर कोई उनके कार्य की सराहना करता नजर आया।

पत्रिका
11-8-

छूटे गरीब परिवारों को सात दिन में खाद्यान्न उपलब्ध करवाएं

रतलाम। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में जिले के छूटे हुए गरीब परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए हितग्राहियों का सत्यापन एवं अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने की प्रक्रिया सात दिन में पूरी की जाए। वास्तविक पात्र हितग्राहियों को ही अस्थाई पात्रता पर्ची जारी हो। यह निर्देश कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने नगर निगम आयुक्त एवं समस्त मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए। लाकडाउन के कारण गरीब परिवारों की पात्रता संबंधी दस्तावेज जारी नहीं होने अथवा दस्तावेज तथा परिवार के सभी सदस्यों के आधार नंबर नहीं बन पाने

पांच से ज्यादा मरीज मिले तो पूरे गांव को बनाएंगे कंटेनमेंट जोन

कोरोना से जंग : कुल मरीजों का आंकड़ा 15 हजार के करीब, दस दिन में 45 मरीजों की मौत

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में कोरोना के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी ज्यादा संक्रमण वाले क्षेत्र चिन्हित किए जा रहे हैं। शहर की तुलना में अब ग्रामीण इलाकों से नए मामले ज्यादा आ रहे हैं। इसमें भी बिलपांक व पिपलौदा विकासखंड में स्थिति चिंताजनक है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने निर्देश दिए हैं कि पांच से अधिक मामले आने पर पूरे गांव को कंटेनमेंट जोन बनाया जाए। मालूम हो कि जिले में मई माह में दस

जब भी आपका नंबर आए, वैक्सीन जरूर लगवाएं

मनोज वन्वाकिया

मास्क भी जरूरी है और वैक्सीन भी जरूरी है। जब भी आपका नंबर आए वैक्सीन जरूर लगवाएं। यदि आपको बुखार, कफ या खांसी, अचानक स्वाद या गंध महसूस न होना, गले में खराश, सांस की तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई दे तो अपने चिकित्सक की सलाह लेकर इलाज करवाएं।

– मनोज वन्वाकिया व्यापारी प्रीतमनगर

सुरेंद्रसिंह जादव

कोरोना की दूसरी लहर बहुत ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है। कोरोना महामारी भयानक स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में घर से तभी निकले, जब बहुत आवश्यक कार्य हो। मास्क का उपयोग करें व अपना नंबर आने पर वैक्सीन जरूर लगवाएं। आप अपने घर के सदस्य के लिए बहुमूल्य है।

सुमित शर्मा

वर्तमान समय में कोरोना महामारी से सावधान व सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना से बचाव के लिए मास्क पहनना और शारीरिक दूरी का पालन करना सबसे ज्यादा जरूरी है। जरूरी काम न हो तो घर से बाहर नहीं निकले। अगर कोई खांस या छींक रहा है तो उससे उचित दूरी बनाए रखें।

– सुमित शर्मा, कार्यालय प्रभारी, भारतीय रेडक्रास, ब्राह्मण गली जावरा

अजय कोठारी

कोरोना संक्रमण काल में सुरक्षित रहने के लिए वैक्सीनेशन संजीवनी का काम कर रहा है। दूरी बनाकर अपना कार्य करें, भीड़ में जाने से बचें। हमेशा मास्क पहनें। धैर्य व साहस के साथ इस विकट समय का सामना करें व कोरोना से जंग जीतने में शासन-प्रशासन को सहयोग करें।

– अजय कोठारी, सराफा व्यवसायी

8 स्थानों पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन

रतलाम। शासन निर्देशानुसार कोविड-19 के परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए 'किल कोरोना-3' अभियान के तहत रतलाम नगर निगम सीमा क्षेत्र में 8 स्थानों पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन किया गया है जिसमें नगर निगम अधिकारी/कर्मचारी, मेडिकल ऑफिसर, आंगनवाड़ी सुपरवाईजर, स्टॉफ नर्स, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति की गई है। 'किल कोरोना-3' अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 33, 34, 35, 36 व 31 हेतु टीआईटी रोड डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 30, 31 व 32 हेतु जावरा रोड प्राथमिक स्कूल डी मार्ट रोड, वार्ड क्रमांक 27, 28 व 29 हेतु दिलीप नगर डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 20, 21, 22, 23, 24, 25, 44 व 45 हेतु मोती नगर प्राथमिक स्कूल, वार्ड क्रमांक 26, 37, 38, 39, 40, 41, 42 व 43 हेतु हाकिम वाड़ा डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 15, 16, 17, 18, 19, 46, 47, 48 व 49 हेतु सुभाष नगर कम्युनिटी हॉल, वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 व 8 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गणेश नगर व वार्ड क्रमांक 9, 10, 11, 12, 13 व 14 हेतु रेडक्रास भवन बिरियाखेड़ी मेन रोड पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन किया गया है। उक्त केन्द्रो पर नियुक्त नगर निगम अधिकारी एवं कर्मचारियों हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने कार्यपालन यंत्री जी.के. जायसवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

लॉकडाउन में दुकानें बंद, कसारा बाजार में कारोबार

बर्तन ले जाने के लिए वाहन में भरते ग्रामीण।

रतलाम | शहर में 9 अप्रैल से लॉकडाउन लगा है। कलेक्टर ने जरूरी वस्तुओं को छोड़कर शेष सभी दुकानें बंद रखने के आदेश जारी किए हैं लेकिन कलेक्टर के आदेश के बावजूद दुकानें खुल रही हैं। सोमवार को कसारा बाजार में एक दुकान के बाहर खरीददार बर्तन खरीदकर वाहन में लोड कर रहे थे। जबकि लॉकडाउन लगा हुआ है। इसके बावजूद ग्राहकों को माल दिया गया। इसके बाद ग्रामीण क्षेत्र से आए ग्राहक माल वाहन में लोड कर चले गए। जबकि बिक्री पर रोक है। इस संबंध में व्यापारी और पूर्व पार्षद विजय कसेरा ने बताया दो महीने पहले सामान बुक किया था। इससे उसकी डिलीवरी दी है। नया कारोबार नहीं किया है। वैसे ट्रांसपोर्टेशन भी चालू है।

बिना अनुमति के ही किया जा रहा था विवाह

बिना अनुमति शादी, वर-वधू और दोनों के पिता पर 188 का केस

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में कोरोना लॉक डाउन सख्त करने के साथ ही जिला प्रशासन ने सभी आयोजनों

दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश का उल्लंघन करते हुए बिना अनुमति शादी आयोजन किया जा रहा था। वर पक्ष बरात लेकर महू से रतलाम भी पहुंच गया और

धोलावड़ डैम का जलस्तर 385 मीटर, जैकवेल के पास डाले दो पंप

पेयजल समस्या से निपटने के प्रयास : इंटकवेल तक पानी पहुंचाने के लिए किए इंतजाम

11-5-21

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। अप्रैल व मई में तेज गर्मी के चलते धोलावड़ डैम में भी जलस्तर घट रहा है। मई में अधिकतम तापमान 43 डिग्री के पार हो गया है। जलस्तर कम होने के चलते डैम का पानी इंटकवेल तक लाने के लिए निगमायुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देश पर सोमवार को नवीन इंटकवेल के जैकवेल तक पानी लाने के लिए 65 एचपी के दो मोटर पंप स्थापित कर टेस्टिंग कर ली गई।

मालूम हो कि सितंबर 2020 के अंतिम सप्ताह तक धोलावड़ जलाशय पूरी क्षमता (395) मीटर तक भरा था। सिंचाई के लिए पानी देने व गर्मी के कारण वर्तमान जलस्तर 385 मीटर पर आ चुका है। पूर्ण क्षमता से लबालब हुआ जलाशय 10 मीटर खाली हो चुका है। जलाशय पर बने इंटकवेल से पानी लेने के लिए दो पंप लगे हुए हैं। जलस्तर 388 मीटर से कम होने के बाद पानी जैकवेल से आने लगता है। जैकवेल व इंटकवेल के बीच की दूरी करीब 500 मीटर है। यहां भी पानी कम होने पर फ्लोटिंग प्लेटफार्म पर मडपंप लगाकर पानी जैकवेल में लाकर वहां से इंटकवेल तक पहुंचाया जाता है। 384 मीटर के जलस्तर पर यह व्यवस्था करना पड़ सकती है। इसके चलते निगम ने पहले से ही तैयारी कर ली है। मोटर पंप स्थापित करने का कार्य जलप्रदाय विभाग प्रभारी सत्यप्रकाश आचार्य, उपयंत्री बीएल चौधरी के निर्देशन में किया गया।

धोलावड़ जलाशय में पंप स्थापित करते हुए कर्मचारी। • नईदुनिया

> वर्तमान में धोलावड़ में जलस्तर आपूर्ति अनुसार बना हुआ है। पूर्व तैयारी से ही दो पंप भी लगा दिए गए हैं। जल आपूर्ति में कोई समस्या नहीं आएगी।
>
> -सोमनाथ झारिया, निगमायुक्त

शहर में आपूर्ति इस तरह

शहर में अभी 30 से 32 एमएलडी पानी प्रतिदिन जलाशय से लिया जा रहा है। एक दिन में 35 एमएलडी पानी की आवश्यकता होती है। शेष आपूर्ति नलकूपों से सीधे बूस्टिंग के जरिये की जाती है। निगम से मेडिकल कालेज व रेलवे को भी आपूर्ति होती है।

महामारी में भी 24 घंटे बिजली आपूर्ति में लगे कर्मचारी-अधिकारी

रतलाम। कोरोना महामारी में बिजली कंपनी के कर्मचारी, अधिकारी हर संभव प्रयास कर लोगों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति कर रहे हैं। अप्रैल और मई के 40 दिनों में उज्जैन संभाग में पिछले वर्ष के इन्हीं 40 दिनों की तुलना में 11 फीसद ज्यादा बिजली वितरित हुई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि चुनौती व संक्रमण के बाद भी सभी कर्मचारी, अधिकारी गुणवत्ता व जरूरत के मुताबिक बिजली वितरण में भूमिका निभा रहे हैं। पिछले चालीस दिनों के दौरान लगभग 11 फीसद बिजली ज्यादा वितरित हुई है। पिछले

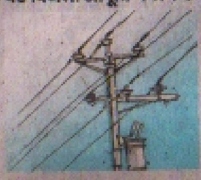

चौबीस घंटों में उज्जैन संभाग में 2.70 करोड़ यूनिट बिजली वितरित हुई। इसमें उज्जैन जिले में 66 लाख यूनिट, देवास में 62 लाख, रतलाम में 42 लाख यूनिट एवं शेष बिजली आगर, शाजापुर, नीमच, मंदसौर में वितरित हुई है। प्रबंध निदेशक तोमर ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं की केंद्रीय काल सेंटर 1912, ऊर्जास एप, लोकल नंबर पर बिजली संबंधी शिकायतें मिल रही हैं, उनका भी समय पर समाधान किया जा रहा है। पिछले चौबीस घंटों में उज्जैन संभाग से 817 शिकायतों का अत्यंत कम अवधि में समाधान किया गया। इन शिकायतों में उज्जैन से 416, रतलाम से 90, देवास से 70 व अन्य शेष जिलों से थी। तोमर कंपनी के सभी जिलों के अधीक्षण यंत्रियों को फोन कर चुनौतीभरे समय में श्रेष्ठ सेवाओं के लिए बधाई भी दी है। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर से बिजली कर्मचारियों को कोरोना योद्धा मानकर आदेश जारी हो चुके हैं।

नई दुनिया
11-5-2021

दो बत्ती क्षेत्र में चल रहा सीवरेज का काम

रतलाम | कोरोना कर्फ्यू की वजह से शहर के व्यस्त दो बत्ती इलाके में आवाजाही काफी हद तक थमी हुई है। यहां डीआरएम ऑफिस और बैंक होने से ही छिटपुट आवाजाही फिलहाल है। इस कारण यहां ठेकेदार द्वारा शुरू किया गया सीवरेज का काम प्रगति पकड़ रहा है। न्यू रोड पर भी दो दिन पहले खुदाई की गई थी। लॉकडाउन की वजह से काम में तेजी हासिल किए जाने की उम्मीद भी है।

दूसरी लहर का कहर • मेडिकल कॉलेज में 40 दिन में 247 लोगों की कोरोना से मौत, शरीर में खून के थक्के बन रहे

कोरोना के साथ कार्डियक अरेस्ट, रोज 2 लोगों की हो रही मौत, 40 दिन में 82 की थमी धड़कन

भास्कर संवाददाता | रतलाम

11-5-21

कोरोना की दूसरी लहर असल में कहर बनकर सामने आ रही है। इस बार कोरोना से पहले कार्डियक अरेस्ट मरीज को मौत दे रहा है। मेडिकल कॉलेज में रोज औसतन 2 लोग कार्डियक अरेस्ट से दम तोड़ रहे हैं। 1 अप्रैल से (दूसरी लहर) अब तक ऐसे 82 लोगों की मौत हो चुकी है। डॉक्टरों का कहना है कि कोविड काल के दौरान कार्डियक अरेस्ट की पूरी आशंका रहती है। ऐसा खून के थक्के जमने से होता है।

कोरोना से मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। 1 अप्रैल से अब तक मेडिकल कॉलेज में 247 लोग कोरोना से दम तोड़ चुके हैं। इनमें से 139 रतलाम तो वहीं, 108 मृतक आसपास के जिले मंदसौर, नीमच, झाबुआ, उज्जैन, धार के हैं। इधर, बड़ी बात यह है कि 40 दिन में 82 लोगों की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है, यानी धड़कन थम गई।

युवा तोड़ रहे दम : कार्डियक अरेस्ट के मामले सिर्फ बुजुर्गों में ही नहीं, बल्कि 30-40 साल के युवाओं में भी सामने आ रहे हैं। परिजन लगातार संपर्क में बने रहते हैं, लगता भी है कि मरीज ठीक हो जाएगा लेकिन अचानक से मिली दुःखद खबर... सभी को चौंका रही है। सोमवार को ऐसे ही एक मामले में सिर्फ 38 साल की महिला ने दम तोड़ दिया।

हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट में है अंतर... ऐसे समझें

हार्ट अटैक : इसमें दिल के अलग-अलग हिस्सों में खून जम जाता है। ऐसे मामलों में तत्काल इलाज मिलने से मरीज की जान बच सकती है। इलाज मिलने में जितनी देर होती है, उससे हृदय और शरीर को नुकसान होता जाता है। आम तौर पर हार्ट अटैक के लक्षण पहले और बाद में भी दिख सकते हैं।

कार्डियक अरेस्ट : हृदय के भीतर के हिस्सों में सूचनाओं का आदान-प्रदान गड़बड़ा जाता है। इस कारण हार्ट रेट को नियमित करने की कोशिश होती है। दिल की धड़कन अचानक बंद हो जाती है। जिन मरीजों को पहले हार्ट अटैक आ चुका है, या खतरा था, उन्हें कार्डियक अरेस्ट होने की आशंका ज्यादा रहती है।

- **75** मौतें हुई थीं कोरोना की पहली लहर के दौरान 22 दिसंबर तक
- **12** लोग ऐसे थे, जिन्हें कार्डियक डिसीज की समस्या थी।
- **50** साल से कम के 12 लोग थे। ज्यादातर बुजुर्गों की मौतें हुईं।
- **70** % मौत के मामलों में हायपरटेंशन और डायबिटीज निकली।
- **8** लोग ही ऐसे थे, जिन्हें कोई भी पुरानी बीमारी नहीं थी।

▪ अन्य मामलों में क्रॉनिक किडनी डिसीज में मौत के मामले ज्यादा सामने आए थे।

इन दो केस से समझिए... किस तरह घर के जवान लोग अचानक छोड़ रहे साथ, किसी को मौत का कारण पता चल रहा, किसी को नहीं

1. कुछ घंटों पहले अच्छे से बात की, अचानक दम तोड़ा

रतलाम के 27 साल के युवक का ऑक्सीजन लेवल कम हो रहा था। 3 अप्रैल को भर्ती किया। दोपहर में सेवफल भी खाया, अच्छे से बात की, लेकिन, रात में फोन आया कि आईसीयू में शिफ्ट कर रहे हैं। सुबह 6 बजे कॉलेज परिजन को कॉलेज बुलवाया, बेटे की मौत हो चुकी थी। 16 अप्रैल को इन्हीं के भाई भी ऑक्सीजन लेवल कम होने पर भर्ती हुए व बच नहीं पाए। परिजन को मौत की वजह नहीं बताई।

2. सिर्फ 38 साल की महिला की कार्डियक अरेस्ट से मौत

गांधीनगर निवासी 38 साल की महिला को 4 मई को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। उनका ऑक्सीजन लेवल कम हो रहा था। उनका सिटी स्कोर 40 में से 17 था। मामले की गंभीरता को देख जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में शिफ्ट किया गया। महिला के बचने की पूरी उम्मीद थी, लेकिन सोमवार को महिला ने दम तोड़ दिया। मौत का कारण डॉक्टरों ने कार्डियक अरेस्ट बताया।

एक्सपर्ट व्यू

डॉ. राजेश शर्मा, संचालक, निजी कोविड हॉस्पिटल

कोविड रक्त का थक्का बनाता है

कार्डियक अरेस्ट के केस बढ़ रहे हैं। दरअसल, कोविड आर्गेनिज्म रक्त का थक्का बनाता है। दो कंडीशन रहती है, यदि कोविड के दौरान 10 से 15 दिन तक किसी की बॉडी में कोई मूवमेंट नहीं है, तो रक्त के प्लाट्स होना स्वाभाविक है। अतः व्यक्ति को चलते-फिरते रहना चाहिए। दूसरा ये कि कोविड खुद ही थम्बो एम्बोलिजम बनाता है। इसमें ट्रीटमेंट होते हैं। देशभर में लो मॉल्यूक्यूलर का इंजेक्शन लगाते हैं, इससे कुछ केस में यूरीन या मुंह से ब्लड आने लगता है। तत्काल रोकने पर क्रियाएं जल्दी होती हैं। ऐसे में ब्लड को पतला करने वाली दवाई कंटीन्यू करना चाहिए।

डॉ. महेंद्र चौहान, एमडी, मेडिकल कॉलेज

तनाव की वजह से भी होता है

कार्डियक अरेस्ट में डर ज्यादा हावी होता है। हार्ट की डिमांड और सप्लाय में लगातार अंतर आता रहता है। तनाव से ऐसा ज्यादा होता है। कोविड केस में खून में थक्का बनने लग जाता है। इससे अटैक की आशंका बढ़ती जाती है। समय पर जांच करवा लेंगे तो निश्चित तौर पर कुछ नहीं होगा। लापरवाही के मामले बहुत ज्यादा सामने आ रहे हैं, लंग्स बुरी तरह डैमेज होने के बाद मरीज कॉलेज में पहुंच रहे हैं। यदि हार्ट की दवा चलती है, तो रेग्युलर लें। घर का एक व्यक्ति भी यदि शुरुआती लक्षण में जांच करवा लेता है तो वह अपनी पूरी फैमिली को सेफ कर लेता है।

शाम 4 बजे खुले 18+ के स्लॉट, 5 मिनट में हुई 13 मई तक बुकिंग

भास्कर संवाददाता | रतलाम

11-5-21

जिले में 18+ के वैक्सीनेशन के लिए स्लॉट की बुकिंग करना बड़ी चुनौती बन गया है। सोमवार को आगामी सत्रों के लिए कोविन पोर्टल पर स्लाट ओपन हुए... लेकिन, ज्यादातर लोग कैप्चा में ही उलझे रहे, नतीजा ये रहा कि वे स्लॉट बुक कर पाते, इसके पहले ही सभी बुक हो चुके थे। 5 मिनट से भी कम समय में स्लॉट की बुकिंग हो गई।

सोमवार को मोहन टॉकीज, आईएमए हॉल, जवाहर नगर कम्युनिटी हॉल, लायंस हॉल में 18+ की वैक्सीनेशन के लिए स्लॉट खुले। शाम 4 बजे स्लॉट खुलने के कुछ मिनटों में ही 13 मई तक की बुकिंग फुल हो गई। 18+ के लोगों को इन केंद्रों पर 12 और 13 मई को को-वैक्सीन का टीका लगेगा।

प्री-बुकिंग के आधार पर लगे टीके : जिले में सोमवार को चार स्थानों पर टीकाकरण हुआ। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर ननावरे ने बताया 18 से 44 वर्ष आयु समूह के लोगों को प्री-बुकिंग के आधार पर ही टीके लगाए गए। आईएमए हॉल में 136 और मोहन टॉकीज में 135 लोगों को टीका लगा। सांघलिक भवन खारचाकलां में 71 लोगों को टीके लगे। पुराना कलेक्ट्रेट में 348 फ्रंटलाइन वर्कर्स को को-वैक्सीन का दूसरा टीका लगा।

मेडिकल कॉलेज से 37 लोग डिस्चार्ज, 68 नए भर्ती हुए, सभी बेड फुल

रतलाम | मेडिकल कॉलेज में बेड की स्थिति लगातार खराब बनी हुई है। सोमवार को भी कॉलेज में एक भी ऑक्सीजन बेड खाली नहीं था। कॉलेज से 37 लोग ठीक होकर अपने घर पहुंचे। वहीं 68 नए मरीजों को भी भर्ती किया गया। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कॉलेज में कुल बिस्तरों की संख्या 550 है। इसमें आईसीयू के सभी 56 बेड फुल हैं, एचडीयू के सभी 172 बेड फुल हैं, ऑक्सीजन के सभी 120 बेड फुल हैं। कॉलेज में नॉन ऑक्सीजन बेड 202 हैं, इसमें से 110 पर मरीज भर्ती हैं। सोमवार को कॉलेज में कुल 458 मरीज भर्ती थे। अस्पताल में 296 रेमडेसिविर इंजेक्शन बचे हैं।

दै. भास्कर 11-5-21

निगम पहुंचकर कलेक्टर कुमार ने प्रशासक का पदभार ग्रहण किया

रतलाम. मप्र शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आदेश के पालन में नवागत जिला कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने सोमवार को निगम कार्यालय पहुंचकर प्रशासक का पदभार ग्रहण किया।

पदभार ग्रहण के दौरान कलेक्टर कुमार का निगम आयुक्त झारिया व उपायुक्त विकास सोलंकी ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं प्रशासक नगर निगम कुमार ने शहर के सफाई कार्य पर विशेष ध्यान देने, वर्कशॉप को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। आय-व्यय की जानकारी ली। इस अवसर पर सहायक आयुक्त ज्योति सुनारिया, कार्यपालन यंत्री जीके जायसवाल, सहायक यंत्री श्याम सोनी, निगम सचिव जसवन्त जोशी, जलप्रदाय विभाग प्रभारी सत्यप्रकाश आचार्य, स्वास्थ्य अधिकारी एपीसिंह, निजी सहायक सुभाष गोयल आदि उपस्थित थे।

11-5-21